

रविवार 29 दिसंबर, 2024

विषय — क्रिश्चियन साइंस

स्वर्ण पाठ: मीका 5: 2

"हे बेतलेहेम एप्राता, यदि तू ऐसा छोटा है कि यहूदा के हजारों में गिना नहीं जाता, तौभी तुझ में से मेरे लिये एक पुरुष निकलेगा, जो इस्राएलियों में प्रभुता करने वाला होगा; और उसका निकलना प्राचीन काल से, वरन अनादि काल से होता आया है।"

उत्तरदायी अध्ययन: मीका 5: 4

यशायाह 9: 6, 7

यशायाह 40: 4, 5

- 4 और वह खड़ा हो कर यहोवा की दी हुई शक्ति से, और अपने परमेश्वर यहोवा के नाम के प्रताप से, उनकी चरवाही करेगा। और वे सुरक्षित रहेंगे, क्योंकि अब वह पृथ्वी की छोर तक महान् ठहरेगा॥
- 6 क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है; और प्रभुता उसके कांधे पर होगी, और उसका नाम अद्भुत, युक्ति करने वाला, पराक्रमी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा।
- 7 उसकी प्रभुता सर्वदा बढ़ती रहेगी, और उसकी शान्ति का अन्त न होगा, इसलिये वे उसको दाऊद की राजगद्दी पर इस समय से ले कर सर्वदा के लिये न्याय और धर्म के द्वारा स्थिर किए ओर संभाले रहेगा। सेनाओं के यहोवा की धुन के द्वारा यह हो जाएगा॥
- 4 हर एक तराई भर दी जाए और हर एक पहाड़ और पहाड़ी गिरा दी जाए; जो टेढ़ा है वह सीधा और जो ऊंचा नीचा है वह चौरस किया जाए।
- 5 तब यहोवा का तेज प्रगट होगा और सब प्राणी उसको एक संग देखेंगे; क्योंकि यहोवा ने आप ही ऐसा कहा है॥

पाठ उपदेश

बाइबल

1. यशायाह 11: 1-6, 9

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एंड्री ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

- 1 तब यिशै के टूठ में से एक डाली फूट निकलेगी और उसकी जड़ में से एक शाखा निकल कर फलवन्त होगी।
- 2 और यहोवा की आत्मा, बुद्धि और समझ की आत्मा, युक्ति और पराक्रम की आत्मा, और ज्ञान और यहोवा के भय की आत्मा उस पर ठहरी रहेगी।
- 3 ओर उसको यहोवा का भय सुगन्ध सा भाएगा॥ वह मुंह देखा न्याय न करेगा और न अपने कानों के सुनने के अनुसार निर्णय करेगा।
- 4 परन्तु वह कंगालों का न्याय धर्म से, और पृथ्वी के नम्र लोगों का निर्णय खराई से करेगा; और वह पृथ्वी को अपने वचन के सोंटे से मारेगा, और अपने फूंक के झोंके से दुष्ट को मिटा डालेगा।
- 5 उसकी कटि का फेंटा धर्म और उसकी कमर का फेंटा सच्चाई होगी॥
- 6 तब भेड़िया भेड़ के बच्चे के संग रहा करेगा, और चीता बकरी के बच्चे के साथ बैठा रहेगा, और बछड़ा और जवान सिंह और पाला पोसा हुआ बैल तीनों इकट्ठे रहेंगे, और एक छोटा लड़का उनकी अगुवाई करेगा।
- 9 मेरे सारे पवित्र पर्वत पर न तो कोई दुः ख देगा और न हानि करेगा; क्योंकि पृथ्वी यहोवा के ज्ञान से ऐसी भर जाएगी जैसा जल समुद्र में भरा रहता है॥

2. मत्ती 1: 18-25

- 18 अब यीशु मसीह का जन्म इस प्रकार से हुआ, कि जब उस की माता मरियम की मंगनी यूसुफ के साथ हो गई, तो उन के इकट्ठे होने के पहिले से वह पवित्र आत्मा की ओर से गर्भवती पाई गई।
- 19 सो उसके पति यूसुफ ने जो धर्मी था और उसे बदनाम करना नहीं चाहता था, उसे चुपके से त्याग देने की मनसा की।
- 20 जब वह इन बातों के सोच ही में था तो प्रभु का स्वर्गदूत उसे स्वप्न में दिखाई देकर कहने लगा; हे यूसुफ दाऊद की सन्तान, तू अपनी पत्नी मरियम को अपने यहां ले आने से मत डर; क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है।
- 21 वह पुत्र जनेगी और तू उसका नाम यीशु रखना; क्योंकि वह अपने लोगों का उन के पापों से उद्धार करेगा।
- 22 यह सब कुछ इसलिये हुआ कि जो वचन प्रभु ने भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा था; वह पूरा हो।
- 23 कि, देखो एक कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र जनेगी और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा जिस का अर्थ यह है परमेश्वर हमारे साथ।
- 24 सो यूसुफ नींद से जागकर प्रभु के दूत की आज्ञा अनुसार अपनी पत्नी को अपने यहां ले आया।
- 25 और जब तक वह पुत्र न जनी तब तक वह उसके पास न गया; और उस ने उसका नाम यीशु रखा॥

3. मत्ती 2: 1-11

- 1 हेरोदेस राजा के दिनों में जब यहूदिया के बैतलहम में यीशु का जन्म हुआ, तो देखो, पूर्व से कई ज्योतिषी यरूशलेम में आकर पूछने लगे।

- 2 कि यहूदियों का राजा जिस का जन्म हुआ है, कहां है? क्योंकि हम ने पूर्व में उसका तारा देखा है और उस को प्रणाम करने आए हैं।
- 3 यह सुनकर हेरोदेस राजा और उसके साथ सारा यरूशलेम घबरा गया।
- 4 और उस ने लोगों के सब महायाजकों और शास्त्रियों को इकट्ठे करके उन से पूछा, कि मसीह का जन्म कहाँ होना चाहिए?
- 5 उन्होंने उस से कहा, यहूदिया के बैतलहम में; क्योंकि भविष्यद्वक्ता के द्वारा यों लिखा है।
- 6 कि हे बैतलहम, जो यहूदा के देश में है, तू किसी रीति से यहूदा के अधिकारियों में सब से छोटा नहीं; क्योंकि तुझ में से एक अधिपति निकलेगा, जो मेरी प्रजा इस्राएल की रखवाली करेगा।
- 7 तब हेरोदेस ने ज्योतिषियों को चुपके से बुलाकर उन से पूछा, कि तारा ठीक किस समय दिखाई दिया था।
- 8 और उस ने यह कहकर उन्हें बैतलहम भेजा, कि जाकर उस बालक के विषय में ठीक ठीक मालूम करो और जब वह मिल जाए तो मुझे समाचार दो ताकि मैं भी आकर उस को प्रणाम करूं।
- 9 वे राजा की बात सुनकर चले गए, और देखो, जो तारा उन्होंने पूर्व में देखा था, वह उन के आगे आगे चला, और जंहा बालक था, उस जगह के ऊपर पहुंचकर ठहर गया।
- 10 उस तारे को देखकर वे अति आनन्दित हुए।
- 11 और उस घर में पहुंचकर उस बालक को उस की माता मरियम के साथ देखा, और मुंह के बल गिरकर उसे प्रणाम किया; और अपना अपना यैला खोलकर उसे सोना, और लोहबान, और गन्धरस की भेंट चढ़ाई।

4. लूका 2: 40-49, 52

- 40 और बालक बढ़ता, और बलवन्त होता, और बुद्धि से परिपूर्ण होता गया; और परमेश्वर का अनुग्रह उस पर था।
- 41 उसके माता-पिता प्रति वर्ष फसह के पर्व में यरूशलेम को जाया करते थे।
- 42 जब वह बारह वर्ष का हुआ, तो वे पर्व की रीति के अनुसार यरूशलेम को गए।
- 43 और जब वे उन दिनों को पूरा करके लौटने लगे, तो वह लड़का यीशु यरूशलेम में रह गया; और यह उसके माता-पिता नहीं जानते थे।
- 44 वे यह समझकर, कि वह और यात्रियों के साथ होगा, एक दिन का पड़ाव निकल गए; और उसे अपने कुटुम्बियों और जान-पहचानों में ढूँढने लगे।
- 45 पर जब नहीं मिला, तो ढूँढते-ढूँढते यरूशलेम को फिर लौट गए।
- 46 और तीन दिन के बाद उन्होंने उसे मन्दिर में उपदेशकों के बीच में बैठे, उन की सुनते और उन से प्रश्न करते हुए पाया।
- 47 और जितने उस की सुन रहे थे, वे सब उस की समझ और उसके उत्तरों से चकित थे।
- 48 तब वे उसे देखकर चकित हुए और उस की माता ने उस से कहा; हे पुत्र, तू ने हम से क्यों ऐसा व्यवहार किया? देख, तेरा पिता और मैं ढूँढते हुए तुझे ढूँढते थे।

- 49 उस ने उन से कहा; तुम मुझे क्यों ढूंढते थे? क्या नहीं जानते थे, कि मुझे अपने पिता के भवन में होना अवश्य है?
- 52 और यीशु बुद्धि और डील-डौल में और परमेश्वर और मनुष्यों के अनुग्रह में बढ़ता गया॥

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 7: 1-26

अनंत पर टिके रहने वालों के लिए आज का दिन आशीर्वाद के साथ बड़ा है। जाग्रत चरवाहा सुबह की पहली धुंधली किरणों को देखता है, तभी एक जी उठे दिन की पूरी चमक आती है। इस प्रकार भविष्यद्वक्ता-चरवाहों के लिये पीला तारा चमका; तौभी रात बीत गई और वह आ गया, जहां, बेतलेहेम के बच्चे, मसीह के मानव संदेशवाहक, सत्य, को अस्पष्टता में रखा गया था, जो अंधे को स्पष्ट कर देगा कि मसीह यीशु के द्वारा उद्धार का मार्ग समझ में आ जाएगा, जब तक कि त्रुटि की रात भर भोर की किरणें न चमकें और होने के मार्गदर्शक सितारे को चमकाएं। ज्ञानियों को दिव्य विज्ञान के इस दिन के तारे को देखने और उसका पालन करने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे शाश्वत सद्भाव का मार्ग प्रशस्त हुआ।

विचारकों का समय आ गया है। सत्य, सिद्धांतों और समय-सम्मानित प्रणालियों से स्वतंत्र, मानवता के द्वार पर दस्तक देता है। अतीत के साथ संतोष और भौतिकवाद की ठंडी परम्परा के बीच टकराव कम हो रहा है। भगवान की अज्ञानता अब विश्वास के रास्ते का पत्थर नहीं है। आज्ञाकारिता का एकमात्र जमानता उसी की एक सही आशंका है जिसे जानने के लिए जीवन अनन्त है। यद्यपि साम्राज्य गिरते हैं, "प्रभु हमेशा के लिए शासन करेंगे।"

एक पुस्तक नये विचारों का परिचय तो कराती है, लेकिन उन्हें शीघ्रता से समझा नहीं सकती। ऊंचे ओक को काटना और खुरदरे ग्रेनाइट को काटना मजबूत अग्रदूत का काम है। भावी पीढ़ियों को यह बताना होगा कि अग्रणी ने क्या हासिल किया है।

2. 11: 9-21

क्रिश्चियन साइंस के फिजिकल हीलिंग अब परिणाम है, यीशु के समय के अनुसार, ईश्वरीय सिद्धांत के संचालन से, इससे पहले कि पाप और बीमारी मानवीय चेतना में अपनी वास्तविकता खो देते हैं और स्वाभाविक रूप से गायब हो जाते हैं और आवश्यक रूप से अंधेरा प्रकाश और पाप को सुधार के लिए जगह देता है। अब, अतीत की तरह, ये शक्तिशाली कार्य अलौकिक नहीं हैं, बल्कि सर्वोच्च प्राकृतिक हैं। वे इमैनुअल, या "भगवान हमारे साथ है," का संकेत हैं — मानवीय चेतना में मौजूद एक दिव्य प्रभाव और खुद को दोहराते हुए, अब जैसा कि वादा किया गया था, आ रहा है,

कि बन्धुओं को छुटकारे का और
अन्धों को दृष्टि पाने का सुसमाचार

प्रचार करूं और कुचले हुआओं को छुड़ाऊं।

3. 332: 23 (यीशु)-2

यीशु एक कुंवारी का बेटा था। उन्हें परमेश्वर के वचन को बोलने और मनुष्यों के रूप में मनुष्यों के रूप में प्रकट करने के लिए नियुक्त किया गया था क्योंकि वे समझ के साथ-साथ विचारों को भी समझ सकते थे। उनके बारे में मैरी की धारणा आध्यात्मिक थी, क्योंकि केवल पवित्रता ही सत्य और प्रेम को प्रतिबिंबित कर सकती थी, जो स्पष्ट रूप से अच्छे और शुद्ध ईसा मसीह में अवतरित थे। उन्होंने उच्चतम प्रकार की दिव्यता व्यक्त की, जो उस युग में एक मांसल रूप व्यक्त कर सकती थी। असली और आदर्श आदमी में मांस तत्व प्रवेश नहीं कर सकता। इस प्रकार यह है कि मसीह अपनी छवि में भगवान और मनुष्य के बीच के संयोग, या आध्यात्मिक समझौते को दर्शाता है।

4. 333: 16 (आगमन)-23

नासरत के यीशु के आगमन ने ईसाई युग की पहली शताब्दी को चिह्नित किया, लेकिन मसीह वर्षों या दिनों की शुरुआत के बिना है। ईसाई युग से पहले और बाद में सभी पीढ़ियों के दौरान, आध्यात्मिक विचार के रूप में, मसीह, - भगवान का प्रतिबिंब, - शक्ति और अनुग्रह के कुछ उपाय के साथ आया है जो सभी मसीह, सत्य को प्राप्त करने के लिए तैयार हैं।

5. 147: 24-29

हमारे मास्टर ने बीमारों को चंगा किया, ईसाई उपचार का अभ्यास किया, और अपने छात्रों को इसके दिव्य सिद्धांत की सामान्यताओं को सिखाया; लेकिन उन्होंने बीमारी को ठीक करने और रोकने के इस सिद्धांत को प्रदर्शित करने के लिए कोई निश्चित नियम नहीं छोड़ा। ईसाई विज्ञान में इस नियम की खोज की जानी बाकी थी।

6. 147: 6-13

उन्नीसवीं सदी के अंत में मैंने क्रिश्चियन साइंस के दिव्य नियमों का प्रदर्शन किया। इन्हें व्यापकतम व्यावहारिक परीक्षण के अधीन किया गया, और हर जगह, जब इन्हें उन परिस्थितियों में ईमानदारी से लागू किया गया जहां मानवीय रूप से प्रदर्शन संभव था, तो इस विज्ञान ने दिखाया कि सत्य ने अपनी दिव्य और उपचारात्मक प्रभावकारिता को नहीं खोया है, भले ही यीशु द्वारा यहूदिया की पहाड़ियों और गलील की घाटियों में इन नियमों का पालन किए हुए सदियों बीत चुकी थीं।

7. 107: 7-14

यह अप्रत्यक्ष सिद्धांत इममानुएल के रहस्योद्घाटन की ओर इशारा करता है, "हमारे साथ भगवान," - संप्रभु कभी उपस्थिति, हर बीमार से पुरुषों के बच्चों को पहुंचाने "कि मांस के लिए वारिस है।" क्राइस्टियन साइंस के

माध्यम से, धर्म और चिकित्सा एक दिव्य प्रकृति और सार से प्रेरित हैं; ताजा विश्वास और समझ के लिए दिया जाता है, और विचार भगवान के साथ खुद को बुद्धिमानी से परिचित कराते हैं।

8. 108: 19-26 (से;), 30-6

जब मृत्यु-घाटी की छाया में पहले से ही खड़े होकर, नश्वर अस्तित्व की सीमा के पास, मैंने दिव्य विज्ञान में इन सच्चाइयों को सीखा है: सभी वास्तविक अस्तित्व ईश्वर दिव्य मन, में हैं, और कि जीवन, सत्य और प्रेम सर्व-शक्तिशाली और सर्व-वर्तमान हैं; सत्य के विपरीत, - जिसे त्रुटि कहा जाता है, पाप, बीमारी, बीमारी, मृत्यु, सामग्री में मन की झूठी भौतिक भावना की झूठी गवाही है;

मेरी खोज, कि त्रुटिपूर्ण, नश्वर, गलत नाम वाला मन नश्वर शरीर के सभी जीव और क्रिया का उत्पादन करता है, मेरे विचारों को नए चैनलों में काम करने के लिए सेट करता है, और इस प्रस्ताव के मेरे प्रदर्शन तक ले जाता है कि मन ही सब कुछ है और पदार्थ अग्रणी के रूप में शून्य है मन-विज्ञान में कारक।

ईसाई विज्ञान निर्विवाद रूप से प्रकट करता है कि मन ही सब कुछ है, कि केवल वास्तविकताएं ही दिव्य मन और विचार हैं।

9. 109: 11-27

अपनी खोज के तीन साल बाद, मैंने माइंड-हीलिंग की इस समस्या का समाधान खोजा, शास्त्रों की खोज की और थोड़ा और पढ़ा, समाज से अलग रखा और एक सकारात्मक नियम की खोज के लिए समय और ऊर्जा समर्पित की। ... यह खोज मधुर, शांत और आशा से भरी हुई थी, स्वार्थपूर्ण या निराशाजनक नहीं थी। मैं जानता था कि सभी सामंजस्यपूर्ण माइंड-एक्शन का सिद्धांत ईश्वर है, और यह कि पवित्र, उत्थान विश्वास द्वारा आदिम ईसाई उपचार में उत्पन्न हुए थे; लेकिन मुझे इस उपचार के विज्ञान का पता होना चाहिए, और मैंने दिव्य रहस्योद्घाटन, कारण और प्रदर्शन के माध्यम से पूर्ण निष्कर्ष के लिए अपना रास्ता जीता। समझ में सत्य का रहस्योद्घाटन मेरे पास धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से दिव्य शक्ति के माध्यम से आया। जब एक नया आध्यात्मिक विचार धरती पर पैदा होता है, तो यशयाह की भविष्यद्वक्ता की पवित्रशास्त्र अक्षय रूप से पूरा होता है: "क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ ... और उसका नाम अद्भुत।"

दैनिक कर्तव्यों

मेरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वान्शी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6